Headline: - “Booster Doses and Adult Vaccination: The Need of the Hour”

Print Coverage:

Date	Publication	Edition
29th May, 2026	Danik Bhaskar (online)	All

टॉप न्यूज़
राज्य-शहर
IPL 2026
भास्कर खास
DB ओरिजिनल
स्पोर्ट्स
बॉलीवुड
जॉब - एजुकेशन
बिजनेस
लाइफस्टाइल
जीवन मंत्र
वुमन
देश
विदेश
मैगजीन
यूटिलिटी
लाइफ - साइंस
मध्य प्रदेश
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
बिहार

दैनिक भास्कर को Google पर पसंदीदा सोर्स बनाएं → On Google
Download App from
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
Follow us on

बूस्टर डोज और एडल्ट वैक्सीनेशन समय की जरूरत

जयपुर 9 घंटे पहले

राजस्थान में बच्चों के टीकाकरण में बड़ी सफलता हासिल करने के बाद स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने वयस्क टीकाकरण (एडल्ट वैक्सीनेशन) को अगली बड़ी स्वास्थ्य प्राथमिकता बताया। मौका था आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में 'एडल्ट वैक्सिनेशन' विषय पर आयोजित सेशन का। जीएसके के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक्सपर्ट्स ने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के दौरान जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में पूर्ण टीकाकरण कवरेज 91.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है। वहीं देशभर में यह संख्या 98.4 प्रतिशत दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि टीकाकरण की इस प्रगति ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, राजस्थान वर्ष 2009 से पोलियो-मुक्त स्थिति भी बनाए हुए है।

राज्य में टीकाकरण 91.8% तक पहुंचा

सेशन दौरान एक्सपर्ट डॉ. सुधीर भंडारी ने कहा कि अधिकांश टीके बचपन में लग जाते हैं, लेकिन समय पर बूस्टर डोज नहीं लेने और जागरूकता की कमी के कारण कई वयस्क संक्रमण के खतरे में बने रहते हैं। फ्लू, शिंगल्स और न्यूमोकोकल जैसे टीके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर गंभीर बीमारियों और हॉस्पिटलाइज होने के जोखिम को भी कम करते हैं।

}कोविड के बाद प्रिवेंटिव हेल्थकेयर बढ़ी : इस दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि तेजी से बदलती जीवनशैली, शहरीकरण, बढ़ती उम्रदराज आबादी से साथ कोविड के बाद बढ़ी हेल्थ अवेयरनेस ने रोकथाम आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतें बढ़ा दी है। अब स्वास्थ्य क्षेत्र उपचार से ज्यादा प्रिवेंटिव हेल्थकेयर पर फोकस कर रहा है। इस दौरान एक्सपर्ट्स ने वैक्सीन अवेयरनेस, संक्रामक रोगों की रोकथाम और प्रमाण-आधारित स्वास्थ्य संचार पर भी बात की। इस दौरान डॉ.पी.आर. सोडानी ने कहा कि टीकाकरण पब्लिक हेल्थ का सबसे प्रभावी और किफायती माध्यम है। वैक्सिनेशन ने पोलियो और मातृ-नवजात टिटनेस जैसी बीमारियों के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईआईएचएमआर में सेशन के दौरान एक्सपर्ट्स बोले...